संज्ञाओं की जाँच-पड़ताल

रमा कान्त अग्निहोत्री

साल-दर-साल छात्रों को पढ़ाया जाता है कि 'संज्ञा किसी व्यक्ति, स्थान या वस्तु का नाम है'। यह परिभाषा केवल इतना बताती है कि संज्ञा एक नाम है। यह उन्हें इस बारे में कुछ भी नहीं बताती कि संज्ञाएँ वास्तव में क्या हैं, उनके गुण क्या हैं और भाषा में वे क्या भूमिका निभाती हैं। छात्र और शिक्षक संज्ञाओं के बारे में अवचेतन रूप से पहले से ही बहुत कुछ जानते हैं। इस बात की भी कोई कोशिश नहीं की जाती कि उस अवचेतन ज्ञान के बारे में कुछ छान-बीन की जाए। यह छान-बीन अध्यापकों और छात्रों के लिए लाभदायक होगी और वे संज्ञाओं और संज्ञा-पदों की प्रकृति, गुणों और भूमिका को समझना शुरू कर देंगे; उन्हें इस बात का भी बोध होने लगेगा कि जो बात अँग्रेज़ी में noun के मामले में सही है, वही अन्य भाषाओं में संज्ञा के बारे में भी सही है। बहुभाषिकता में मूलबद्ध सही शैक्षणिक तकनीकों की बदौलत वे कक्षा में उपलब्ध अन्य भाषाओं में संज्ञा के इन पक्षों को जाँचने लगेंगे।

कुछ चीज़ें होती हैं जिन्हें आप संज्ञाओं के साथ कर सकते हैं, और कुछ ऐसी जो आप नहीं कर सकते। आप noun के पहले 'a, an, the' का या 'this, that, these, those' ('यह, वह, ये, वे') जैसे संकेत वाचक सर्वनामों का प्रयोग कर सकते हैं, जैसेकि 'a girl', 'that girl' ('एक लड़की', 'वह लड़की')। संज्ञा (पद) के बाद एक पूरा वाक्यांश जोड़ा जा सकता है, जैसे कि 'those four girls who are playing football' ('वे चार लड़कियाँ जो फुटबॉल खेल रही हैं')। किसी भी तरह की अँग्रेज़ी में यह कहना व्याकरण की दृष्टि से अशुद्ध होगा कि 'four those tall girls who are

playing football' ('चार वे लम्बी लड़कियाँ जो फुटबॉल खेल रही हैं')।

इस तरह, आप संज्ञाओं को बहुवचन बनाते हैं, उन्हें एक निश्चित क्रम में आर्टिकल्स (a, an, the), संकेतवाचकों, संख्यावाचकों और विशेषणों से विशेषीकृत करते हैं। आप यही सब हिन्दी संज्ञा लड़की के साथ भी कर सकते हैं। यह कहना कि 'वे चार लम्बी लड़कियाँ जो फुटबॉल खेल रही हैं', व्याकरण की दृष्टि से एकदम शुद्ध होगा।

अब, कुछ ऐसी चीज़ें हैं जो आप क्रियाओं के साथ तो कर सकते हैं, लेकिन संज्ञाओं के साथ नहीं कर सकते। 'girling' या 'girled' कहना व्याकरण की दृष्टि से अशुद्ध होगा, जबकि 'arriving' और 'arrived' कहना सही है। ध्यान दें कि आप 'girls' और क्रिया 'digs', दोनों के अन्त में ('s' के स्थान पर) 'z' ('ज़') की ध्वनि सुनते हैं, लेकिन इन दोनों मामलों में इसका मतलब नितान्त भिन्न है। 'girls' में वह बहुवचन की ओर संकेत करता है, लेकिन 'digs' में वह 'अन्य पुरुष, वर्तमान काल, एक वचन' के लिए प्रयुक्त है। इस अवचेतन ज्ञान से उलझने और समझने की बजाय, जो बच्चे स्कूल में पहले से ही अवचेतन स्तर पर लेकर आते हैं, हम उन्हें उस तरह की नीरस अवधारणात्मक परिभाषाएँ पढ़ाते हैं जिसका उल्लेख ऊपर किया गया है।

विभिन्न भाषाओं पर काम करते हुए छात्रों को यह बात समझ में आ सकती है कि संज्ञा या तो कर्ता के रूप में काम कर सकती है या कर्म के रूप में जैसे कि 'लड़के फुटबॉल खेल रहे हैं' ('लड़के' [कर्ता] भी संज्ञा है और 'फुटबॉल' [कर्म] भी); 'मुझे वे बच्चे पसन्द हैं' आदि। भाषाओं में स्वामित्व को इंगित करने का भी एक ढंग होगा जैसे कि 'लड़के की पुस्तक'। कन्नड़ या कक्षा में उपलब्ध अन्य भाषाओं में स्वामित्व की ओर किस तरह संकेत किया जाता है? boys और boys' में क्या अन्तर है? उन्हें यह भी पता चलेगा कि इबारत के विकसित होने के साथ जो सर्वनाम संज्ञा की जगह ले लेते हैं, वे उस गोंद की तरह काम करते हैं जो इबारत को बाँधे रखती है।

इस तरह, किसी शब्द को किस नाम से पुकारा जाए, यह इस पर निर्भर करता है कि उस शब्द का इस्तेमाल किस तरह किया गया है। किसी शब्द या वाक्य का अर्थ निश्चय ही उस सन्दर्भ पर निर्भर करता है जिसमें उसका इस्तेमाल किया गया होता है लेकिन किसी शब्द की व्याकरणपरक कोटि भी निश्चित नहीं होती। शब्द की चार प्रमुख कोटियाँ हैं NAVA – Nouns (संज्ञा), Adjectives (विशेषण), Verbs (क्रिया) और Adverbs (क्रियाविशेषण)। 'close' जैसा साधारण शब्द जिसे सामान्य तौर पर स्कूल में क्रिया के रूप में

पढ़ाया जाएगा, वास्तव में NAVA कोटियों से सम्बन्धित हो सकता है। उदाहरण के लिए: 'Towards the close of the play she cried' (N) ('जब नाटक अन्त की ओर था, वह रो पड़ी थी' – संज्ञा); 'Only my close friends are coming to the party' (Adj.) ('केवल मेरे करीबी दोस्त ही पार्टी में आ रहे हैं' – विशेषण); 'She closed the door' (V) ('उसने दरवाज़ा बन्द कर दिया' – क्रिया); 'Stay close to your mother' (Adv.) ('अपनी माँ के करीब रहो' - क्रियाविशेषण)। एक वेबसाइट ने ऐसे 56 शब्दों की सूची दी है जो NAVA समूह से सम्बन्धित हो सकते हैं। ऐसे शब्दों की संख्या तो बहुत बड़ी है जो अँग्रेज़ी में संज्ञा और क्रिया, दोनों हो सकते हैं। उदाहरण के लिए 'chair, copy, table, insult, nail, dance, bargain, favour, attack, cook' आदि।

दिलचस्प बात यह है कि भाषा के बारे में ज्ञान के ऐसे पक्ष किसी सुस्पष्ट अध्यापन की माँग नहीं करते; छात्रों और अध्यापकों, दोनों को ही यह ज्ञान पहले से होता है। अपर्याप्त अवधारणात्मक परिभाषाओं की बजाय, अध्यापकों को ऐसे चुनौतीपूर्ण कार्यों पर वक्त खर्च करने की ज़रूरत है जो इस तरह के ज्ञान की खोज की दिशा में ले जाएँ, और उसे अवचेतन से चेतन स्तर पर ले आएँ।

इस तरह के प्रयास के कई लाभ हैं। हर छात्र की भाषा को कक्षा में जगह मिलती है। आँकड़ों के पर्यवेक्षण, वर्गीकरण, कोटि-निर्धारण, विश्लेषण और निष्कर्ष प्रभावशाली हो उठते हैं और अपने समकक्षों के बीच काम करते हुए छात्र विश्वसनीय और प्रामाणिक अवधारणाओं तक पहुँचते हैं। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि छात्रों और शिक्षकों को इस बात का एहसास होगा कि सारी भाषाएँ समान रूप से व्यवस्थित हैं और समान सम्मान की पात्रता रखती हैं।

रमा कान्त अग्निहोत्री: दिल्ली विश्वविद्यालय से सेवा निवृत्त। व्यावहारिक भाषा-विज्ञान, शब्द संरचना, सामाजिक भाषा-विज्ञान और शोध प्रणाली पर विस्तृत रूप से पढ़ाया और लिखा है। 'नेशनल फोकस ग्रुप ऑन द टीचिंग ऑफ इंडियन लेंग्वेजिज़' के अध्यक्ष रहे हैं। आजकल विद्या भवन सोसायटी, उदयपुर में एमेरिटस प्रोफेसर हैं।

अँग्रेज़ी से अनुवाद: मदन सोनी: आलोचना के क्षेत्र में सक्रिय वरिष्ठ हिन्दी लेखक व अनुवादक। इनकी अनेक पुस्तकें प्रकाशित हैं। इन्होंने उम्बर्तो एको के उपन्यास *द नेम ऑफ दि रोज़*, डैन ब्राउन के उपन्यास *दि द विंची कोड* और युवाल नोआ हरारी की किताब *सेपियन्स: अ ब्रीफ हिस्ट्री ऑफ ह्यूमनकाइंड* समेत अनेक पुस्तकों के अनुवाद किए हैं।

चित्र: उर्वी: सृष्टि इंस्टिट्यूट ऑफ आर्ट एण्ड डिज़ाइन टेक्नोलॉजी, बैंगलोर से पढ़ाई। चित्रकार, विज़ुअल कलाकार और डिज़ाइनर हैं।

मूल अँग्रेज़ी लेख *डेकन हेराल्ड* अखबार के अंक मई 3, 2022 से साभार।